परियोजना का नामः— तिलवाड़ा नगर पंचायत पेयजल योजना

## प्रतिवेदन
## (परियोजना के सम्बन्ध मे संक्षिप्त विवरण)
## जनपद — रूद्रप्रयाग

तिलवाड़ा नगर पंचायत पेयजल योजना विकास खण्ड अगस्तमुनि की एक महत्वाकांक्षी पेयजल योजना है। इस योजना से तिलवाड़ा नगर की 2640 जनसंख्या को पेयजल से लाभान्वित किया जाना प्रस्तावित है। नगर पंचायत तिलवाड़ा पेयजल योजना जो कि 1983—84 में निर्मित की गयी थी अत्यन्त पुरानी एवं जीर्ण शीर्ण अवस्था मे है तथा अपनी परिकल्पन अवधि को पूर्ण कर चुकी है। अतः वर्तमान मे तिलवाड़ा का अस्तित्व नगर पंचायत बन जाने के कारण नगर के मानकों के अनुरूप पेयजल उपलब्ध कराने हेतु लस्तर नदी से मुख्य टैंक से जोन के अनुसार 02 जलाशयों का निर्माण कर तिलवाड़ा नगर पंचायत को पेयजल उपलब्ध कराया जाना है। पेयजल योजना का निर्माण किये जाने हेतु पेयजल निगम द्वारा प्राथमिक चरण (पी—1) प्राक्कलन गठित कर EAP कार्यक्रम के अन्तर्गत शासनादेश संख्या 823/उन्तीस (2)/19—2(11पे0)/2019 दिनांक 11.07.2019 द्वारा प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्राप्त कर ली गयी है। उक्त पेयजल योजना में लगभग 200 मीटर पाइप लाइन संरेखण वन भूमि के अन्तर्गत है। उपरोक्त पेयजल योजना के निर्माण हेतु कार्य स्थल की आवश्यकता अनुरूप चयनित संरेखण अनुकूलतम है।

अतः वर्णित भूमि के अतिरिक्त अन्य कोई भी भूमि योजना के निर्माण हेतु उपयुक्त नहीं है। जिस हेतु आवश्यक वनभूमि हस्तान्तरण प्रपत्र संलग्न कर प्रेषित किये जा रहें है।

अधिशासी अभियन्ता,
EXECUTIVE ENGINEER,
Construction Division
Uttarakhand Peyjal Nigam
Rudraprayag

परियोजना का नाम :— तिलवाड़ा नगर पंचायत पेयजल योजना

## संयुक्त निरीक्षण रिपोर्ट (प्रमाण—पत्र)

प्रमाणित किया जाता है कि आज दिनांक 10-08-2019 को प्रश्नगत परियोजना के लिये वन भूमि प्रत्यावर्तन प्रस्ताव तैयार करने हेतु संयुक्त निरीक्षण किया गया। संयुक्त निरीक्षण के समय वन विभाग की ओर से श्री भरत सिंह चौहान, राजस्व विभाग की ओर से श्री दुर्गा सिंह रावत, प्रस्तावक विभाग की ओर से श्री एन.एल.शाह द्वारा संयुक्त निरीक्षण कार्य में भाग लिया गया। संयुक्त निरीक्षण के समय पाया गया कि उपरोक्त प्रयोजन हेतु निम्नानुसार वन भूमि/नाप भूमि प्रभावित हो रही है।

आरक्षित वन भूमि, 0.2 हे0, सिविल एवं सोयम वन भूमि, — हे0, वन पंचायत भूमि 0.76 हे0 एवं नाप भूमि — हे0 प्रभावित हो रही है। परियोजना के निर्माण हेतु आवेदित वन भूमि के अतिरिक्त अन्य वैकल्पिक भूमि उपलब्ध नहीं है तथा आवेदित वन भूमि की मांग न्यूनतम है। परियोजना के निर्माण हेतु प्रस्तावक विभाग द्वारा सुझाये गये अन्य विकल्पों पर भी विचार किया गया व वर्तमान विकल्प/संरेखण को सर्वदा उपयुक्त पाया गया। प्रश्नगत कार्य जनहित में किया जाना है व इस परियोजना के निर्माण से तिलवाड़ा गॉव व .........जनसंख्या लाभान्वित होगी।

आवेदित वन भूमि में शून्य वृक्षों व नाप भूमि पर शून्य वृक्षों का पातन निहित है, जिनकी प्रजातिवार/व्यासवार सूची प्रस्ताव में संलग्न है।

(अन्य आवश्यक कोई विवरण जो दिया जाना अपेक्षित हो)........शून्य........
स्रोत का नाम — लस्तर गाड़
..........

प्राक्कलित रिपोर्ट
28/08/19 न0 प0 तिलवाड़ा के अनुसार

| | | |
|---|---|---|
| ह0/— (प्रयोक्ता एजेन्सी) Executive Engineer, Const. Division, Uttarakhand Peyjal Sanshadhan Vikash Evam Nirman Nigam, Rudraprayag | ह0/— तहसीलदार रुद्रप्रयाग; राजस्व उपनिरीक्षक रुद्रप्रयाग (राजस्व विभाग का प्रतिनिधि) तह0/जिला—रुद्रप्रयाग | ह0/— वन क्षेत्राधिकारी, रुद्रप्रयाग (वन विभाग का प्रतिनिधि) |
| ह0/— (जिलाधिकारी) | ह0/— उप वन संरक्षक (प्रभागीय वनाधिकारी) रुद्रप्रयाग वन प्रभाग रुद्रप्रयाग | |
| जिला अधिकारी रुद्रप्रयाग; ह0/— (सम्बन्धित उप जिलाधिकारी) उप जिलाधिकारी रुद्रप्रयाग | ह0/— (ग्राम प्रधान/वन पंचायत सरपंच) | |

नोट :—उक्त सूचना प्रयोक्ता एजेन्सी द्वारा सम्बन्धित विभागों/संस्थाओं के हस्ताक्षर के उपरान्त प्रस्ताव के साथ लगाई जानी है।